हम उस घातक समय में जी रहे हैं — और भयानक अंत के दिन तेजी से नज़दीक आ रहे हैं। कई लोग यह समझ नहीं पाते कि अंत वास्तव में कितना समीप है। दुनिया अपने अंत की ओर भाग रही है — और प्रभु का दिन हमारे दरवाज़े पर खड़ा है।

प्रभु का दिन क्या है?

“प्रभु का दिन” वह समय है जिसे परमेश्वर ने पहले से ठहराया है — जब वह इस दुनिया, अधर्मी लोगों और उनके भ्रष्ट तंत्रों पर न्याय करेगा और उन्हें समूल नष्ट कर देगा। यह समय यीशु मसीह के आदिवासी (भविष्य में उद्धार‑सभा) का आकाशारोहण (रैप्चर) के बाद आरंभ होगा।

प्रेषित ग्रंथों तथा पुरानी वचन‑पुस्तक में विशेष रूप से, यह दिन उन भयंकर दिखावटों और घटनाओं के रूप में वर्णित है जो किसी भी गति से बढ़ती त्रासदी का संकेत होंगी।

छह विशिष्ट संकेत

प्रभु का दिन — जैसा कि वर्णित है — इन छह प्रमुख लक्षणों के साथ आएगा:

1) क्रोध का दिन

परमेश्वर का पवित्र न्याय क्रोध के माध्यम से आयेगा। जैसा कि लिखा है:

“और चौथे ने अपना कटोरा सूर्य पर उंडेल दिया, और वह लोगों को आग से झुलसा दे।”
मनुष्य अत्यधिक तपन, घावों और क्रूर पीड़ा से जूझेंगे — और
उन आपदाओं का सामना कर उन्होंने पश्चाताप की बजाय परमेश्वर
का नाम निंदा करना चुन लिया।

2) भय और संकट का दिन

प्रारंभ में आए आपातकालीन प्रकोप — जल, पर्यावरण, संसाधन — इतनी भयावहता उत्पन्न करेंगे, कि मानवता अस्त-व्यस्त हो जाएगी; लोग भय, असुरक्षा और आशंका के घेरे में घुटने टेकने लगेंगे। बाइबिल कहती है कि नदियाँ, झरने, पानी के स्रोत — रक्त जैसे बन जाएंगे; पीने को सुरक्षित जल नहीं बचेगा।

3) विध्वंस और विनाश का दिन

ये प्रकोप मात्र शुरुआत भर होंगे। सारी विश्व व्यवस्था ध्वस्त होगी। भूकंप, सुनामी, अग्निपात — उस दिन धरती पर ऐसा हूँ‑तूबा मच जायेगा, जैसा पहले कभी न हुआ हो। पर्वत ढहेंगे, द्वीप मिट जाएंगे, अग्नि सम्पूर्ण पृथ्वी को चीरकर गुज़र जाएगी — ठीक

वैसे जैसे प्राचीन संस्कृति उजड़ चुकी थीं (जैसे सोदॉम‑गोमोरा, नूह के समय)।

4) अंधकार और तम का दिन

दिन — जो प्रकाश, मार्गदर्शन और मुक्ति का प्रतीक था — पूरी तरह बन्द हो जाएगा। न केवल भौतिक अंधकार आएगा, बल्कि आध्यात्मिक अज्ञात व उत्पीड़न भी क़ायम रहेगा। लोग परमेश्वर को पुकारेंगे, मगर कोई उत्तर न मिलेगा; हृदय और आँखे बंद हो जाएँगी।

5) गहरी घटा, बादल और अंधकार — दिन का दिन नहीं रहेगा

सूर्य, चंद्रमा, तारे — अपना प्रकाश खो देंगे। आकाश में घोर काली घटाएँ उमड़ेंगी, और पृथ्वी ने पहले कभी न देखी गई अंधकार की चादर ओढ़ लेगी।
और जैसा कि लिखा है:

“और आकाश से बड़े- बड़े ओले गिरे, इतने भारी कि वह आपदाएँ थीं।”

6) तुरही और युद्ध के शोर का दिन

यह सारा विनाश अंततः एक अंतिम और भयावह युद्ध में परिणत होगा — Armageddon। सारी पृथ्वी की शक्तियाँ, सम्प्रदाय और राष्ट्र — सब उस अंतिम संघर्ष में खिंचे जाएंगे। हिंसा, रक्तपात, अत्याचार, और भय ऐसा होगा कि समृद्ध, शक्तिशाली या अमीर — किसी को भी इसका बचाव न मिलेगा।

प्रभु का न्याय क्रूर होगा — रजत, सोना, धन, पद — सब असहाय होंगे। उनके पास कोई रक्षा नहीं होगी।

एक आगाह — और एक मौका

मेरा प्रिय मित्र — यदि रैप्चर आज होता, तो बहुत सम्भव है कि आप इन सभी घटनाओं के बीच होते। यह उस समय का आँख खोलने वाला अलार्म है।

यह समय मज़ाक, आध्यात्मिक खेल, या उपेक्षा का नहीं है। यह समय वास्तविकता के सामने झुकने, पश्चाताप करने, और प्रभु की ओर लौटने का है।

अगर आप अब भी जीवन-लेखा देख रहे हैं — पूछिए: “मेरा आधार कहाँ है?” — और अगर आज मैं मर जाऊँ, तो क्या मैं प्रभु के साम्हने प्रवेश कर पाऊँगा?

अगर आप सच में परमेश्वर की ओर लौटना चाहते हैं — तो आज ही अपना हृदय खोलिए।

उद्धार के लिए प्रार्थना

“प्रभु यीशु, धन्यवाद कि तू इस पृथ्वी पर आकर हमारे पापों के लिए क्रूस पर मरकर हमें छुड़ाने का मार्ग खोला। मैं विश्वास करता हूँ कि तू ही मेरा प्रभु और उद्धारकर्ता है। मैं तेरी कृपा स्वीकार करता हूँ — मेरे पापों की क्षमा चाहता हूँ। आज मैं तेरे बचपन बनने का निर्णय लेता हूँ; पुराने जीवन को छोड़, तेरे साथ नया जीवन शुरू करता हूँ। तू मुझे क्षमा कर, मुझे अपना बना, और मेरे नाम को जीवन‑पुस्तक में लिख दे। मुझे पवित्र बना, मुझे अपना बना। यीशु मसीह के नाम पर — आमीन।”

अगर आपने यह प्रार्थना दिल से कही — तो आप उद्धार पाए हैं। अगला कदम है — विश्वासपूर्वक बपतिस्मा करना, उस सभा में जहाँ विश्वासियों को यीशु मसीह के नाम पर पानी में डुबोकर बपतिस्मा दिया जाता हो।

कृपया यह ध्यान रखें

यह सन्देश गम्भीर है। मैं इसे प्रेम और चेतावनी दोनों के साथ

साझा करता हूँ — क्योंकि मैं चाहता हूँ कि हर व्यक्ति जागे, सोचें, और अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करें।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp